ISSN: 2456–4397 RNI No.UPBIL/2016/68067 Vol-5* Issue-12* March-2021
Anthology : The Research

माध्यमिक शिक्षक–शिक्षा पाठ्यक्रम का शैक्षिक विश्लेषण

Educational Analysis of Secondary Teacher Education Curriculum

Paper Submission: 26/02/2021, Date of Acceptance: 20/03/2021, Date of Publication: 25/03/2021

उदयवीर सिंह
सहायक प्राध्यापक,
शिक्षक प्रशिक्षण विभाग,
पी0टी0एन0 डिग्री कॉलेज,
मंगलपुर, कानपुर देहात,
उत्तर प्रदेश, भारत

सारांश

देखा जाये तो शिक्षक का जीवन अनेक प्रकार की समस्याओं से जूझता है क्योंकि शिक्षक वर्ग के अपनी कक्षा को ही नहीं बल्कि पूरे समाज को शिक्षित करने कार्य करता है तथा जितने भी आयोग आये सभी माध्यमिक शिक्षा के सुधार के लिए तथा योग्य शिक्षक पर जोर दिया लेकिन आज भी शिक्षक वर्ग को अनेक समस्याओं से जूझना पड़ रहा है।

If seen, the life of a teacher struggles with many kinds of problems because the teacher works to educate not only the class but also the whole society and all the commission came for the improvement of secondary education and focessed on the qualified teacher, but today the teacher is also facing many problems.

मुख्य शब्द : शिक्षक, आयोग, शिक्षण विधियां, मूल्यांकन।
Teacher, Commission, Teaching Methodologies, Evaluation.

प्रस्तावना

मुदालियर शिक्षा आयोग (1935) की दृष्टि में शिक्षक शिक्षा का निरन्तर मूल्यांकन होते रहना चाहिये ताकि जन नवीन शिक्षण विधियां मूल्यांकन एवं उपागमों को विद्यालयों में अपनाय जाता हैं उसे पहले छात्र–अध्यापकों को उनका ज्ञान एवं अनुभव प्राप्त हो जिससे कि वह उनका उपयोग कक्षा–शिक्षण में कर सकें।

मुदालियर आयोग की तरह कोठारी शिक्षा आयोग (1964) ने शिक्षक–शिक्षा में चॉक एण्ड टॉक के अलावा अन्य शिक्षण विधियों पर अधिगम अवसरों को प्रशिक्षण कार्य से सम्मिलित करने पर बल दिया। उपरोक्त शिक्षा आयोगों के अतिरिक्त गुडलेड (1965) ने भी शिक्षक शिक्षा ने परिवर्तन का सुझाव अपने शोध कार्य में दिया। इसी आधार पर मुरे सिंह अरोरा तथा अनेक साथियों ने (1968) ने अपने अध्ययन में पाया कि शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम बहुत ज्यादा विस्तृत और सैद्धान्तिक है अतः इसे परिवर्तन करने की आवश्यकता पर बल दिया। माध्यमिक स्तरीय शिक्षा पाठ्यक्रम शैक्षिक विश्लेषण करना ही शोध अध्ययन के उद्देश्य के रूप में लिया गया। क्योंकि माध्यमिक शिक्षा में नवीन परिस्थितयों के अनुरूप शिक्षण की विधियों एवं उपागमों को अपनाया सर्वाधिक आवश्यक है, यह वह स्तर है जहां बालकों को व्यवहारिक शिक्षा के लिए प्रेषित किया जाता है। इसी बात को ध्याने में रखते हुए शोधकर्ता प्रस्तुत अध्ययन हेतु माध्यमिक शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम का शैक्षिक विश्लेषण करना ही शोध अध्ययन के उद्देश्य के रूप में लिया गया।

अध्ययन कथन

''माध्यमिक शिक्षक– शिक्षा पाठ्यक्रम का शैक्षिक विश्लेषण''।

अध्ययन के उद्देश्य

1. पाठ्यक्रम के सामान्य व विशिष्ट उद्देश्य में ज्ञानात्मक, भावात्मक व कियात्मक पक्ष को कितना महत्व दिया गया।
2. सामान्य व विशिष्ट उद्देश्यों के विभिन्न कौशलों के विकास के सन्दर्भ में प्रासंगिकता।
3. सामान्य व विशिष्ट उद्देश्यों की व्यवहारिक समयावधि साधन व उपयोगिता के सम्बन्ध में प्रासंगिकता।
4. सामान्य व विशिष्ट उद्देश्यों का विषय के सन्दर्भ में प्रासंगिकता।
5. सामान्य व विशिष्ट उद्देश्यों की प्रशिक्षणार्थियों के अधिगम के सन्दर्भ में प्रासंगिकता।

6. नवीन परिवर्तित परिस्थितयों में किन सामान्य उद्देश्यों व विशिष्ट उद्देश्यों को परिवर्तित करने की आवश्यकता को ज्ञात करना।

पाठ्यक्रम में सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक पक्षों का विश्लेषण नियम आधारों पर करना

1. पाठ्यक्रम में सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक पक्षों में सम्मिलित विषय वस्तु एवं गतिविधियों की माध्यमिक शिक्षक शिक्षा हेतु उपलब्ध साधन माध्यमिक शिक्षक शिक्षा की आवश्यकतानुसार पर्याप्तता।
2. पाठ्यक्रम के सैद्धान्तिक व व्यवहारिक पक्षों की वर्तमान माध्यमिक शिक्षा में शिक्षा की भूमिका के अनुरूप प्रासंगिकता।
3. पाठ्यक्रम के सैद्धान्तिक व व्यवहारिक पक्षों में मध्य सामंजस्यता।
4. पाठ्यक्रम के किन सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक पक्षों में परिवर्तन की आवश्यकता को ज्ञात करना।

अध्ययन विधि

प्रस्तुत अध्ययन गुणात्मक एवं विवरणात्मक प्रकृति का है जिसमें मुख्यता विषय वस्तु विश्लेषण विधि का ही आधार बनाया गया, क्योंकि अध्ययन के अनुरूप विषय वस्तु विश्लेषण विधि ही सर्वाधिक उपयुक्त हैं।

न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन हेतु न्यादर्श का चयन दो स्तरों पर किया गया है। प्रथम स्तर पर शैक्षिक विश्लेषण हेतु शिक्षक शिक्षा का पाठ्यक्रम का न्यादर्श पाठ्यक्रम का चयन किया गया।

द्वितीय स्तर पर पाठ्यक्रम के विश्लेषण हेतु इससे सम्बन्धित व्यक्तियों का चयन किया गया।

न्यादर्श पाठ्यक्रम के रूप में– बी0एड0 ट्रेनिंग पाठ्यक्रम का चयन किया गया। यह चयन शोधार्थी की सुविधा व पाठ्यक्रम की उपलब्ध के आधार पर लिया गया।

न्यादर्श पाठ्यक्रम की रूप रेखा

Course		Credit
E-101	Teacher in Emerging Indian Society	100
E-102	Development of Learner and Teaching Learning Process	100
E-103	Development of Educational System in India	100
E-104	Essential of Educational Technology and Management	100
E-321	Teaching of Physical Science	100
E-322	Teaching of Biological Science	100
E-316	Teaching of Social Science	100
E-319	Teaching of mathematics, Teaching of Languages-English, Hindi, Sanskrit, Home science, Commerce, Music, Fine Arts.	100
A-	Practical Components of the B.Ed. Courses External Assessment- 1- Two Examiners External 100 2- One Internal Examiner 50	150
B-	Internal Assessment- 1- Observation of the no lessons of the per groups and block teaching. 10 2- Preparation of the teaching aids. 10 3- Ten Micro teaching lesson plans. 10 4- Preparation and admires of administration achievement Test 10 5- Two project based on action research. 10	50
	Total =200	

न्यादर्श में सम्मिलित व्यक्तियों के पद, संस्था तथा संख्याओं से सम्बन्धित विवरण

पद	संस्था	संख्या
प्रोफेसर टीचर व्याख्यता / प्रशिक्षक शोध छात्र प्रशिक्षार्थी	छत्रपति शाहू जी महाराज विष्वविद्यालय कानपुर	01 01 04
	डी0वी0एस0 कालेज, कानपुर।	02
	डी0वी0एस0 कालेज, कानपुर	02
	छत्रपति शाहू जी महाराज विष्वविद्यालय कानपुर	
	डी0वी0एस0 कालेज, कानपुर	

कुल व्यक्ति–10

उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में पाठ्यक्रम के विश्लेषण हेतु शोधकर्ता द्वारा स्वयं बिन्दुओं वाली एक बहुउद्देश्यी निर्धारण मापनी का निर्माण किया गया।

आंकड़ों का संकलन

प्रस्तुत अध्ययन में पाठ्यक्रम में संकलन हेतु सर्वप्रथम न्यादर्श में सम्मिलित सभी इकाईयों व्यक्तियों को बी0एड0 पाठ्यक्रम दिया गया व अध्ययन के उद्देश्यों से अवगत कराया गया व निर्धारण मापनी दी गयी। निर्धारण मापनी के अनुसार पाठ्यक्रम के विश्लेषण के सन्दर्भ में सभी व्यक्तियों से संरचित साक्षात्कार किया गया ताकि प्रत्येक बिन्दु पर उनके द्वारा की गयी प्रतिक्रिया का कारण ज्ञात हो सके व उनके मत प्राप्त हो सके। इस प्रकार निर्धारण मापनी असंरचित साक्षात्कार के आधार पर गुणात्मक तथ्य पर आंकड़े एकत्रित किये गयें।

आंकड़ों का विश्लेषण

प्रस्तुत अध्ययन में प्रतिक्रिया अपने द्वारा प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण हेतु प्रतिषत निकालया गया व औपचारिक साक्षात्कार द्वारा प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण विषय वस्तु विधि द्वारा किया गया।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्यों के आधार पर निष्कर्ष निम्नवत् हैं–

माध्यमिक शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम सामान्य व विशिष्ट उद्देश्यों से सम्बन्धित निष्कर्ष

1. वर्तमान के बी0एड0 पाठ्यक्रम के सामान्य व विशिष्ट उद्देश्यों में ज्ञानात्मक पक्ष को अधिक महत्व दिया जाता है।
2. पाठ्यक्र में व्यवहारिक पक्ष एवं भावात्मक पक्ष अपेक्षित हैं तथा अपर्याप्त हैं।
3. सैद्धान्तिक पक्ष के उद्देश्य शिक्षक केन्द्रित हैं।
4. सामान्य विशिष्ट उद्देश्य सम्पूर्ण विषय वस्तु का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।
5. सामान्य व विशिष्ट उद्देश्यों में प्रशिक्षणार्थियों में हाने वाले कौशलों के विकास हेतु अवसरों के उद्देश्यों की अपर्याप्तता है।
6. उद्देश्य शिक्षण सम्बन्धित ज्यादा हैं प्रशिक्षणार्थियों के कौशल विकास से सम्बन्धित कम है।

पाठ्यक्रम के सैद्धान्तिक व व्यवहारिक पक्षों में सम्बन्धित निष्कर्ष

1. पाठ्यक्रम में सम्मिलित विषया सामाग्री प्रशिक्षण हेतु उपलब्ध समय साधन व सुविधा के अनुरूप पर्याप्त हैं।
2. माध्यमिक शिक्षा में शिक्षक की भूमिका हेतु सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक पक्ष पर्याप्त व उपयुक्त है।
3. मात्र पुस्तकीय ज्ञान द्वारा पाठ्यक्रम में सम्मिलित सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक पक्षों का ज्ञान व अधिगम प्राप्त नहीं किया जा सकता है।
4. सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक पक्षों की माध्यमिक स्तर के बालकों के विकास को सहायक गतिविधियों से जोड़ने की आवश्यकता है।
5. व्यवहारिक पक्ष माध्यमिक शिक्षा हेतु शिक्षक की भूमिका के अनुरूप अपर्याप्त है।
6. सैद्धान्तिक पक्ष एवं व्यवहारिक पक्षों को अधिक स्पष्ट करने की भी आवश्यकता है।
7. व्यवहारिक व सैद्धान्तिक पक्षों को प्रशिक्षार्थियों को सर्वांगीण व्यक्तित्व के विकास तथा शैक्षिक कौशलों से जोड़ा जाना चाहिए।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. *डा0 जी0 सी0 भट्टाचार्य, अध्यापक शिक्षा, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा–2।*
2. *डा0 सियाराम यादव, पाठ्यक्रम विकास, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा–2।*
3. *डा0 आर0 ए0 शर्मा, शिक्षण अधिगम के नवीन प्रवर्तन आर0 लाल बुक डिपो, मेरठ।*
4. *पाठक एवं त्यागी, शिक्षा के सिद्धान्त, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।*
5. *शैक्षिक त्रैमासिक शोध पत्रिका, शिक्षा चिन्तन, त्रिमूर्ति संस्थान, कानपुर।*